Govt. College For Women
Madlauda (Panipat)

Name - Khushi

Class - B.A Final year

Roll No. - 86

Subject Assignment :- Economics

Submitted to :- Dr. Manju Sharma

Topic :- Analysis of Income and Expenditure

Topic.....Date.....

Introduction

प्रश्न-1 आय किसे कहते हैं ?

उ०→ आय वह धन है जो श्रम या उत्पादों के बदले में प्राप्त होता है। इसकी परिभाषा संदर्भ के आधार पर भिन्न होती है। जैसे → कराधान, वित्तीय लेखांकन आर्थिक विश्लेषण, आर्थिक विश्लेषण में आय के वेतन लाभांश और ब्याज सभी आय शामिल हैं। प्रत्येक आय को मापने और रिपोर्ट करने के तरीके पर एक अलग दृष्टिकोण प्रदान करता है। जो वित्तीय परिदृश्य में इसकी बहुमुखी प्रकृति को दर्शाता है।

आय की परिभाषा :→ किसी व्यवसाय या व्यक्ति को माल या सेवाओं की बिक्री के बदले या पूँजी निवेश (की) के माध्यम से जो धनराशि प्राप्त होती है उसे आय कहते हैं।

आय के प्रकार :→ आय के कई प्रकार होते हैं। जैसे- कि अर्जित आय, निष्क्रिय आय, कर योग्य आय, कर मुक्त आय, आय के प्रकार उसके स्त्रोत के आधार पर तय होते हैं।

आय के कुछ उदाहरण :→ वेतन, पूंजीगत लाभ, गृह सपाते से, आय, ब्याज, लाभांश, टिप्स, कमीशन, आदि।

प्रश्न-2 निवेश किसे कहते हैं ?

उत्तर :→ जिस संपत्ति में पैसे लगाए जाएं, उसे निवेश कहते हैं, निवेश का मतलब है अपने पैसों को ऐसी संपत्तियों में लगाना जो बढ़ती है, या

Teacher's sign.....

Topic.....Date.....

वापसी देने में सक्षम है। निवेश का मकसद होता है अपने पैसे को बढ़ाना और भविष्य के लिए सुरक्षित करना।

1) निवेश से आय का एक अतिरिक्त स्रोत है।
2) निवेश से पैसे बचाए जा सकते हैं।
3) निवेश आम तौर पर दीर्घ कालिक लक्ष्यों को हासिल करने के लिए किया जाता है।

* **निवेश की परिभाषा :→** भविष्य में आय या संपत्ति अर्जित करने के लिए आपने पैसे या संपत्ति का निवेश करना, उसे निवेश कहते हैं।

उदाहरण :→ जिसमें आप अपनी पूंजी को किसी खास चीज को कम कीमत पर खरीदकर भविष्य में बहुत अधिक कीमत पर बेच सकते हों।

* **निवेश के प्रकार :→**

1) प्रत्यक्ष विदेशी निवेश
2) गैर - प्रत्यक्ष निवेश

* **प्रत्यक्ष निवेश (विदेशी) :→**

तब होता है जब एक देश की कोई कंपनी, बहुराष्ट्रीय निगम या व्यक्ति दूसरे देश की परिसंपत्तियों में निवेश करता है।

Topic..... Date.....

प्रश्न-3 उपभोग किसे कहते हैं?

उत्तर:- अपनी आवश्यकताओं की संतुष्टि के लिए विभिन्न वस्तुओं और सेवाओं के उपभोक्ताओं अथवा क्रेताओं के रूप में मानव जाति के व्यवहार का अध्ययन करते हैं। उपभोक्ताओं के रूप में, लोगों के साधन सीमित हैं जबकि उनकी आवश्यकताएँ असीमित हैं। विभिन्न वस्तुओं और सेवाओं को खरीदने पर वे अपने निश्चित साधनों का बँटवारा कैसे करते हैं ताकि उनकी संतुष्टि अधिकतम हो सके। यह ही उपभोग अथवा उपभोक्ता व्यवहार का अध्ययन है कि उपभोक्ता किस प्रकार से व्यवहार करते हैं तो (हमे) उन्हें हम उपभोग सिद्धांत कहते हैं।

* उपभोग की परिभाषा :- उपभोग एक क्रिया है जिसके द्वारा अपनी प्रत्यक्ष संतुष्टि के लिए वस्तुओं और सेवाओं का उपभोग किया जाता है। उसे उपभोग कहते हैं।

* उपभोग के प्रकार :-

उपभोग दो प्रकार के होते हैं। व्यक्तिगत उपभोग वह है जिसमें आप उस व्यक्ति को जानते हैं। जो आपकी ज़रूरतों को पूरा करने के लिए समान का उत्पादन करता है। अवैयक्तिक उपभोग वह है। जब अस्पष्ट रूप से समझी जाने वाली नैतिक प्रणाली अपनी ज़रूरतों को पूरा करने वाले समान का उत्पादन करती है बाज़ार और गैर बाज़ार आधारित उपभोग में भी अंतर है।

Topic.....Date.....

प्रश्न-4 बचत किसे कहते हैं?

उत्तर:- बचत वह शेष राशि है जो किसी व्यक्ति की उपभोक्ता आवश्यकताओं को पूरा करने के बाद बचाती है। जो लोग क्रेडिट पर खरीदी (~~जाती~~ करते) है। और जिनकी मासिक आय बढ़ती रहती है। उनके पास मासिक आधार पर बचत करने के लिए बहुत कम या बिल्कुल भी पैसा नहीं होता। बचत भविष्य के लिए धन जुटाने में मदद करती है।

★ बचत की परिभाषा :-

बचत किसी व्यक्ति की खर्च न की गई आय को दर्शाती है यह वह राशि है। जो किसी निश्चित अवधि में घरेलू और अन्य व्यक्तिगत खर्चों को पूरा करने के बाद बचती है। उसे बचत कहते हैं।
उदाहरण → मासिक आधार पर।

★ बचत क्यों महत्वपूर्ण है →

बचत आपको निवेश के जरिए ज्यादा पैसे कमाने में मदद कर सकती है बैंक बचत खाते में बेकार पड़े पैसे पर भी ब्याज मिलता है।

★ उदाहरण :- मासिक वेतन 4000 रु है। उनके खर्चों में 1000 रु किराया, 400 रु कार का भुगतान, 300 रु छात्र ऋण का भुगतान, 100 रु क्रेडिट कार्ड का भुगतान, 150 रु किराने का सामान, 50 रु बिजली, 25 रु सेलफोन और 75 रु गैस शामिल है।

Teacher's sign.....

TOPIC ..... DATE .....

प्रश्न 5 सहसंबंध किसे कहते हैं,

उ० → दो या अधिक चरों के बीच संबंध की शक्ति और दिशा को सहसंबंध कहते हैं। यह एक सांख्यिकीय माप है सह संबंध के तीन प्रकार होते हैं। सकारात्मक सहसंबंध, नकारात्मक सहसंबंध, कोई सहसंबंध नहीं।

* **सहसंबंध की परिभाषा** :→ दो या दो से अधिक चरों के बीच के संबंध के माप को सहसंबंध कहते हैं।

* **सहसंबंध के प्रकार** :→

1) **धनात्मक व ऋणात्मक सम्बन्ध** :→ चरों में होने वाली परिवर्तन की दिशा के आधार पर सहसंबंध को निम्न दो भागों में बाँटा गया है।

2) **धनात्मक सहसंबंध** :→ चरों में परिवर्तन एक ही दिशा की ओर होता है, एक बढ़ता है दूसरा भी बढ़ता है। यदि एक घटता है, तो दूसरा भी घटता है। इसे धनात्मक सह संबंध कहते हैं।

3) **ऋणात्मक सहसंबंध** :→

चरों में परिवर्तन विपरीत दिशा की ओर होता है। जब एक बढ़ता है और दूसरा घटता है यदि एक घटता व दूसरा बढ़ता है तो इसे ऋणात्मक सह संबंध है।

TOPIC ..... DATE .....

प्रश्न-6 माध्य किसे कहते हैं?

उत्तर :- माध्य दो या अधिक संख्याओं के समूह का सरल गणितीय औसत है। इसे अंकगणितीय माध्य विधि का उपयोग करके गणना की जा सकती है। और ज्यामितीय माध्य विधि जो उत्पादों के एक सेट का औसत है।

* माध्य की परिभाषा :-

माध्य दो या अधिक संख्याओं के समूह को गणितीय औसत है अंक गणितीय माध्य और ज्यामितीय माध्य दो प्रकार के माध्य है। इसे माध्य कहते है।

या

दिए गए सभी आकड़ों के योग में आकड़ो की संख्या से भाग देने पर प्राप्त संख्या को ही माध्य मान कहते है।

* माध्य के प्रकार :-
  - अंकगणितीय माध्य
  - ज्यामितीय माध्य
  - हार्मोनिक माध्य
  - वर्ग माध्य मूल
  - भारित माध्य
  - गुणोन्तर माध्य

* उदाहरण :- 8, 9, 5, 6, 7 के साथ माध्य 7 है क्योंकि

$8+9+5+6+7 = 35$, $35/5 = 7$ Ans

Topic..... Date.....

Persons	Income (X)	$dx = x - A$, $A = 5.50$	dx^2	Expenditure (Y)	$dy = Y - A$, $A = 3.40$	dy^2	$dxdy$
1	1.20	-4.3	18.49	0.80	-2.6	6.76	11.18
2	2.00	-3.5	12.25	1.20	-2.2	4.84	7.7
3	1.50	-4	16	1.00	-2.4	5.76	9.6
4	5.00	-0.5	0.25	3.00	-0.4	0.16	0.2
5	3.20	-2.3	5.29	2.40	-1	1	2.3
6	6.50	1	1	4.00	0.6	0.36	0.6
7	2.60	-2.9	8.41	1.40	-2.1	4	5.8
8	1.80	-3.7	13.69	1.30	-1.6	4.41	7.77
9	2.50	-3	9	1.80	-2.1	2.56	4.8
10	2.40	-3.1	9.61	1.30	0	4.41	6.51
11	(5.50) = A	0	0	(3.40) = A	-1.4	0	0
12	4.00	-1.5	2.25	2.00	-1.1	1.96	2.1
13	3.60	-1.9	3.61	2.30	0.1	1.21	2.09
14	6.00	0.5	0.25	3.50	-1.9	0.01	0.05
15	3.00	-2.5	6.25	1.50	-0.8	3.61	4.75
16	3.80	-1.7	2.89	2.60	-2	0.64	1.36
17	5.40	-0.1	0.01	3.20	-0.2	0.04	0.02
18	4.80	-0.7	0.49	2.80	-0.6	0.36	0.42
19	5.20	-0.3	0.09	3.40	0	0	0
20	4.50	-1	1	3.00	-0.4	0.16	0.4
	$\Sigma x = 74.5$	$\Sigma dx = -35.5$	$\Sigma dx^2 = 110.83$	$\Sigma Y = 45.9$	$\Sigma dy = -22.1$	$\Sigma dy^2 = 42.25$	$\Sigma dxdy = 67.65$

Mean of Income $= \frac{74.5}{20} = 3.725$

Mean of Expenditure $= \frac{45.9}{20} = 2.295$

Mean of Saving = Mean of Income − Mean of Expenditure

$= 3.725 - 2.295 = 1.43$

Teacher's sign.....

यह दर्शाता है कि 20 लोगों की औसत वार्षिक आय 3.725 lakh Rs है तथा व्यय 2.295 lakh Rs. है।

$$r = \frac{N.\Sigma dx\,dy - \Sigma dx\,\Sigma dy}{\sqrt{N.\Sigma dx^2 - (\Sigma dx)^2}\sqrt{N\Sigma dy^2 - (\Sigma dy)^2}}$$

$$= \frac{20(67.65) - (-35.5)(-22.1)}{\sqrt{(20)(110.83) - (-35.5)^2}\sqrt{(20)(42.25) - (-22.1)^2}}$$

$$= \frac{1353 - 784.55}{\sqrt{2216.6 + 1260.25}\sqrt{845 + 488.41}}$$

$$= \frac{568.45}{\sqrt{3476.85}\sqrt{1333.41}}$$

$$= \frac{568.45}{(58.9648)(36.5158)}$$

$$= \frac{568.45}{2153.14}$$

$$r = 0.264009$$

=) Positive high degree correlation between Income and expenditure.

Topic..... Date.....

Persons	Income (X)	Expenditure (Y)	Savings (Z)	$dz = Z - A$, $A = 2.10$	dz^2	$dx\,dz$
1	1.20	0.80	0.40	-1.7	2.89	7.31
2	2.00	1.20	0.80	-1.3	1.69	4.55
3	1.50	1.00	0.50	-1.6	2.56	6.4
4	5.00	3.00	2.00	-0.1	0.01	0.05
5	3.20	2.40	0.80	-1.3	1.69	2.99
6	6.50	4.00	2.50	0.4	0.16	0.4
7	1.80	1.30	0.50	-1.6	2.56	5.92
8	2.50	1.80	0.70	-1.4	1.96	4.2
9	2.40	1.30	1.10	-1	1	3.1
10	5.50	3.40	(2.10)A	0	0	0
11	4.00	2.00	2.00	-0.1	0.01	0.15
12	3.60	2.30	1.30	-0.8	0.64	1.52
13	6.00	3.50	2.50	0.4	0.16	0.2
14	3.00	1.50	1.50	-0.6	0.36	1.5
15	3.80	2.60	1.20	-0.9	0.81	1.53
16	2.60	1.40	1.20	-0.9	0.81	2.61
17	5.40	3.20	2.20	0.1	0.01	-0.01
18	4.80	2.80	2.00	-0.1	0.01	0.07
19	5.20	3.40	1.80	-0.3	0.9	0.09
20	4.50	3.00	1.50	-0.6	0.36	0.6
	$\Sigma X = 74.5$	$\Sigma Y = 45.9$	$\Sigma Z = 28.6$	$\Sigma dz = -13.4$	$\Sigma dz^2 = 18.5$	$\Sigma dx\,dz = 43.18$

$$\text{Mean of Saving} = \frac{28.6}{20} = 1.43$$

$$r = \frac{N.\Sigma dx\,dz - \Sigma dx\,\Sigma dz}{\sqrt{N.\Sigma dx^2 - (\Sigma dx)^2}\ \sqrt{N\Sigma dz^2 - (\Sigma dz)^2}}$$

Teacher's sign.....

Date.....

$$r = \frac{20(43.18) - (-35.5)(-13.4)}{\sqrt{20(110.83) - (-35.5)^2}\ \sqrt{20(18.59) - (-13.4)^2}}$$

$$= \frac{863.6 - 475.7}{\sqrt{2216.6 + 1260.25}\ \sqrt{371.8 + 179.56}}$$

$$= \frac{387.9}{\sqrt{3476.85}\ \sqrt{551.36}}$$

$$= \frac{387.9}{(58.9648)(23.4810)}$$

$$= \frac{387.9}{1384.55}$$

$$r = 0.2801$$

$\Rightarrow$ Positive high degree correlation. Between savings.

Date.....

निष्कर्ष :→

आय और व्यय के बीच एक महत्वपूर्ण संबंध होता है। जिसे सहसंबंध के रूप में समझा जा सकता है। आमतौर पर, जब किसी व्यक्ति या परिवार की आय बढ़ती है तो उसका व्यय भी बढ़ता है। जिससे दोनों के बीच सकारात्मक सहसंबंध देखा जा सकता है। यह इसीलिए होता है क्योंकि लोग अधिक आय होने पर अपनी आवश्यकताओं के साथ-साथ विलासिता पर भी खर्च बढ़ा देते हैं।

हालाँकि यह संबंध हमेशा समान नहीं रहता। कुछ परिस्थितियों में, जैसे कि बचत की प्रवृत्ति, आर्थिक अनिश्चितता या भविष्य की योजना, व्यक्ति अपनी आय के बढ़ने के बावजूद खर्च को सीमित रख सकता है। इस स्थिति में, आय और व्यय के बीच नकारात्मक सहसंबंध हो सकता है।

समग्र रूप में देखा जाए तो, अधिकतर मामलों में आय और व्यय का संबंध सकारात्मक होता है, लेकिन यह व्यक्ति की आर्थिक स्थिति, मानसिकता और भविष्य की योजनाओं पर निर्भर करता है। उचित वित्तीय प्रबंधन और संतुलित खर्च करने की आदतों से व्यक्ति अपनी आय और व्यय के बीच संतुलन बनाकर एक स्थिर आर्थिक स्थिति प्राप्त कर सकता है।